Sample

वर्षफल वर्ष 2009 – 2010

	जन्म विवरण	वर्षफल विवरण
लिंग	पुरूष	पुरूष
जन्म तिथि	01/01/1980	31/12/2008
दिन वार	मंगलवार	बुधवार
जन्म समय	13:10:00	23:37:48
(समय घटी में)	14: 49: 15 घटी	------

स्थान एवं समय विवरण

जन्म स्थान	DELHI	DELHI
अक्षांश	028.39	028.39
रेखांश	077.13	077.13
स्थानीय समय	12:48:52	-------
स्थानीय तिथि	01/01/1980	-------

ग्रह एवं राशि विवरण

लग्न	मेष	कन्या
लग्नेश	मंगल	बुध
राशि	मिथुन	कुम्भ
राशीश	बुध	शनि
नक्षत्र	मृगशिरा	धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी	मंगल	मंगल
चरण	4	3
पाया (चंद्र–नक्षत्र)	तांबा–स्वर्ण	स्वर्ण–तांबा
योग	ब्रह्मा	वज्र
करण	वणिज	विष्टि
गण	देव	राक्षस
योनि	सर्प	सिंह
नाड़ी	मध्य	मध्य
वर्ण	शूद्र	शूद्र
वश्य	मनुष्य	मनुष्य
वर्ग	बिलाव	बिलाव
नामाक्षर	की	गू
युंजा	पूर्व	अन्त्य
हंसक तत्व	वायु	वायु

वर्षफल की गणनाएं सूर्य के गोचरीय अंश पर आधारित हैं ।

Triple-S Software
205 Allied House , Inderlok Chowk, Old Rohtak Rd., Delhi-110035, INDIA
Email:sales@horosoft.net WebSite: http://www.horosoft.net

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति		राशीश	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	मेष	07 28 51			मंगल	अश्विनी	3	केतु	राहु
सूर्य	धनु	16 27 53		मित्र	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	चन्द्र
चन्द्र	मिथुन	03 47 31		मित्र	बुध	मृगशिरा	4	मंगल	शुक्र
मंगल	सिंह	20 27 01		मित्र	सूर्य	पू फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु
बुध	धनु	04 52 07	अस्त	सम	गुरु	मूल	2	केतु	मंगल
गुरु (व)	सिंह	16 37 00		मित्र	सूर्य	पू फाल्गुनी	1	शुक्र	चन्द्र
शुक्र	मकर	18 12 56		मित्र	शनि	श्रवण	3	चन्द्र	बुध
शनि	कन्या	03 24 53		मित्र	बुध	उ फाल्गुनी	3	सूर्य	शनि
राहु (व)	सिंह	06 50 29		शत्रु	सूर्य	मघा	3	केतु	राहु
केतु (व)	कुम्भ	06 50 29		शत्रु	शनि	शतभिषा	1	राहु	राहु

जन्म लग्न

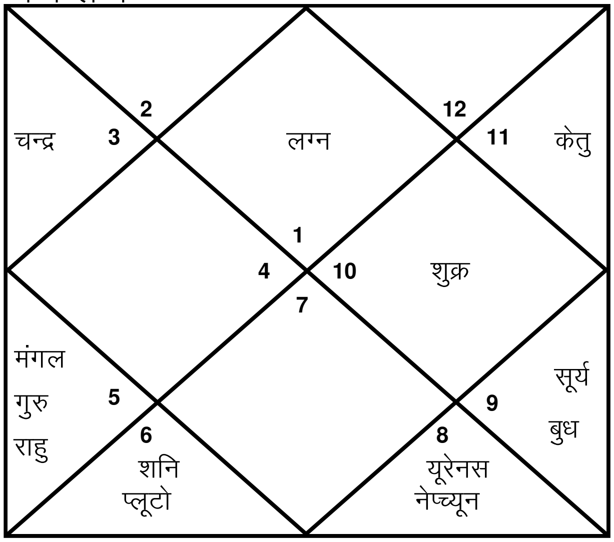

चलित

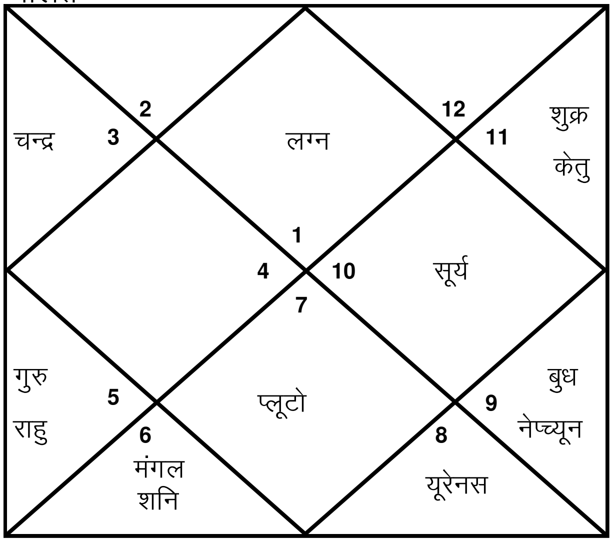

चन्द्र लग्न

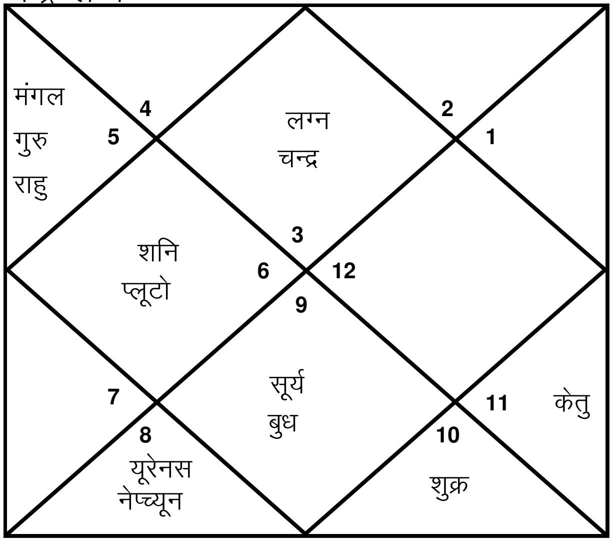

नवमांश

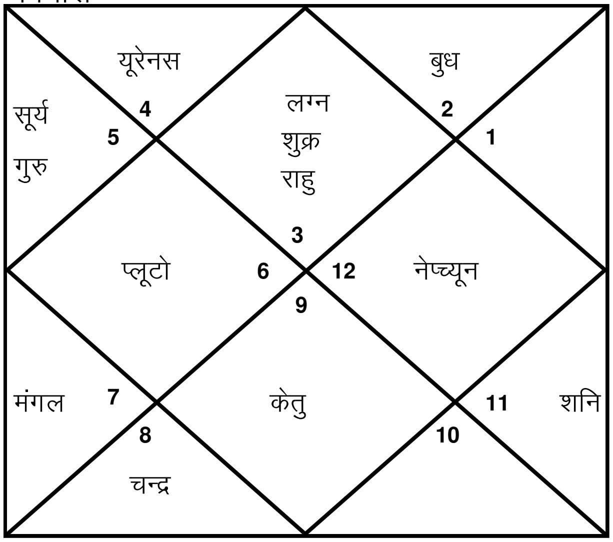

Triple-S Software
205 Allied House , Inderlok Chowk, Old Rohtak Rd., Delhi-110035, INDIA
Email:sales@horosoft.net WebSite: http://www.horosoft.net

Sample

वर्षफल वर्ष 2009 – 2010

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति		राशीश	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	कन्या	05 45 13			बुध	उ फाल्गुनी	3	सूर्य	बुध
सूर्य	धनु	16 27 50		मित्र	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	चन्द्र
चन्द्र	कुम्भ	02 47 41		सम	शनि	धनिष्ठा	3	मंगल	शुक्र
मंगल	धनु	09 20 58	अस्त	मित्र	गुरु	मूल	3	केतु	शनि
बुध	मकर	05 10 17		सम	शनि	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध
गुरु	मकर	04 52 50		नीच	शनि	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	शनि
शुक्र	कुम्भ	02 59 38		मित्र	शनि	धनिष्ठा	3	मंगल	शुक्र
शनि	सिंह	27 46 49		शत्रु	सूर्य	उ फाल्गुनी	1	सूर्य	चन्द्र
राहु (व)	मकर	15 27 37		मित्र	शनि	श्रवण	2	चन्द्र	गुरु
केतु (व)	कर्क	15 27 37		शत्रु	चन्द्र	पुष्य	4	शनि	गुरु

वर्ष लग्न

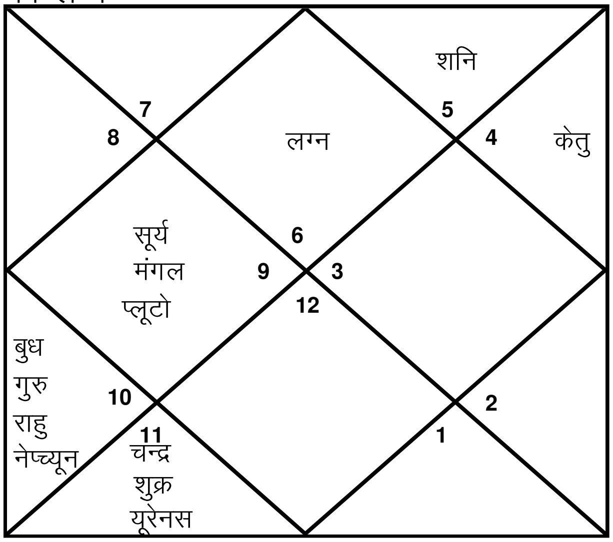

चलित

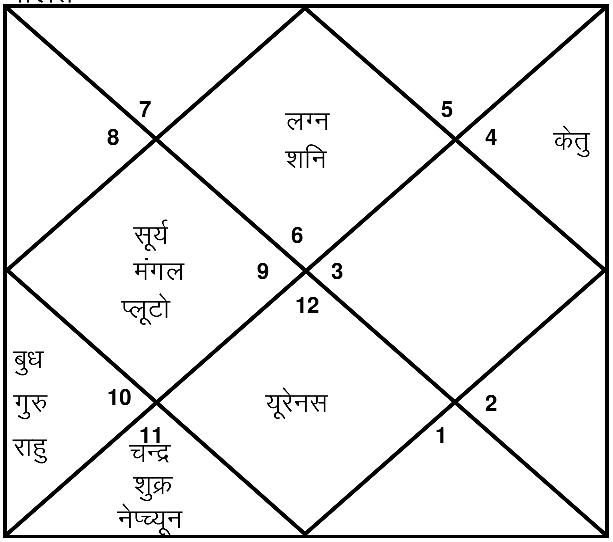

चन्द्र लग्न

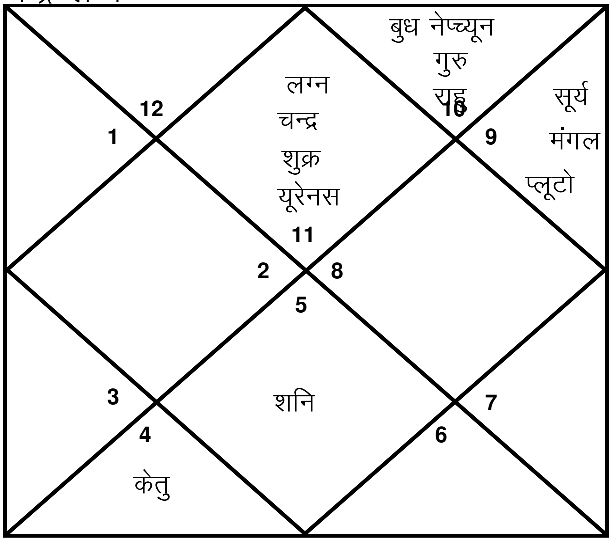

नवमांश

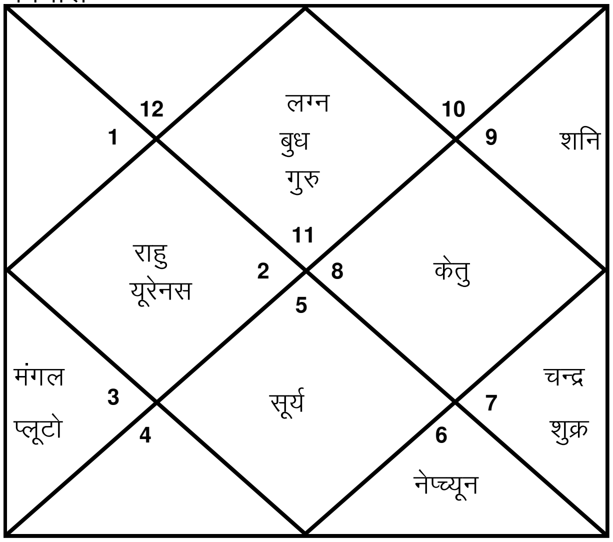

Triple-S Software
205 Allied House , Inderlok Chowk, Old Rohtak Rd., Delhi-110035, INDIA
Email:sales@horosoft.net WebSite: http://www.horosoft.net

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	5
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	0	5	0	5	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	5	5	5	5	5	10

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह बल	15.00	07.50	15.00	15.00	15.00	07.50	22.50
उच्च बल	07.38	09.98	14.59	07.76	00.01	14.00	14.20
हद्या बल	11.25	03.75	07.50	15.00	03.75	15.00	11.25
द्रेष्काण बल	07.50	02.50	05.00	02.50	10.00	10.00	07.50
नवांश बल	05.00	01.25	02.50	02.50	02.50	05.00	02.50
कुल	11.53	06.25	11.15	10.69	07.82	12.88	14.49

पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बलाबल
मुन्थेश	बुध	10.69
जन्म लग्नेश	मंगल	11.15
वर्ष लग्नेश	बुध	10.69
त्रिराशिपति	शुक्र	12.88
दिनरात्रिपति	शनि	14.49

वर्षेश व मुन्था

वर्षेश	:	मंगल
मुन्था–राशि	:	कन्या
मुन्था–भाव	:	1
मुन्थेश	:	बुध
मुन्थेश– भाव	:	5

वर्षफल वर्ष 2009 – 2010

सहम	राशि	अंश	सहम स्वामी
पुण्य	कर्क	19:25:22	चन्द्र
गुरू	वृश्चिक	22:05:04	मंगल
प्रसूति	तुला	06:02:40	शुक्र
यश	मेष	20:17:45	मंगल
मित्र	तुला	00:19:56	शुक्र
माहात्म्य	मकर	25:40:49	शनि
आशा	कुम्भ	10:58:02	शनि
पिता	धनु	24:26:14	गुरु
माता	तुला	05:57:10	शुक्र
जीवित	मकर	12:51:14	शनि
कर्म	वृश्चिक	01:34:32	मंगल
कलि	सिंह	10:13:21	सूर्य
शास्त्र	सिंह	28:04:16	सूर्य
बंधक	सिंह	08:07:49	सूर्य
जाडय	कन्या	23:36:08	बुध
शत्रु	मिथुन	24:11:04	बुध
बंधन	वृश्चिक	14:06:40	मंगल
समर्थता	वृश्चिक	01:34:32	मंगल
कामदेव	सिंह	08:07:49	सूर्य
गौरव	सिंह	18:15:09	सूर्य
कार्यसिद्धि	सिंह	29:51:58	सूर्य
अश्व	मकर	02:47:17	शनि
भ्राता	मकर	12:51:14	शनि
पुत्र	सिंह	07:50:22	सूर्य
रोग	मेष	08:42:45	मंगल
बन्धु	सिंह	08:07:49	सूर्य
मृत्यु	धनु	00:44:09	गुरु
अर्थ	वृष	08:30:36	शुक्र
परस्त्री	वृश्चिक	22:17:01	मंगल
वणिक	वृश्चिक	03:22:37	मंगल
विवाह	कुम्भ	10:58:02	शनि
संताप	कन्या	00:44:09	बुध
श्रद्धा	वृश्चिक	29:23:53	मंगल
प्रीति	मकर	08:24:55	शनि
व्यापार	सिंह	09:55:54	सूर्य
कन्या	तुला	05:57:10	शुक्र
परदेश	मकर	08:30:24	शनि
अपमृत्यु	कुम्भ	02:09:16	शनि
लाभ	मीन	08:30:24	गुरु
जलपथ	मेष	01:43:15	मंगल

त्रिपताकि चक

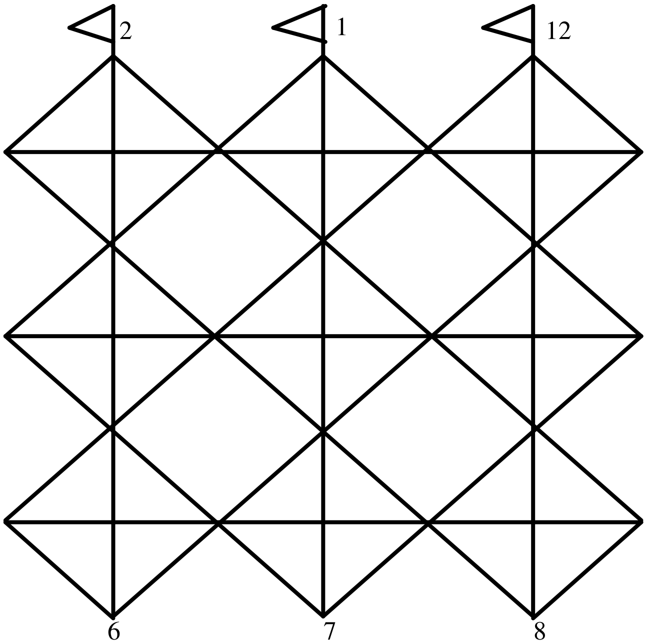

त्रिपताकि चक्र में वेध

लग्न	गुरु राहु केतु	बुध	सूर्य चन्द्र मंगल शुक्र
सूर्य	चन्द्र मंगल बुध शुक्र	गुरु	राहु केतु
चन्द्र	सूर्य मंगल बुध	शुक्र	सूर्य मंगल बुध शनि
मंगल	सूर्य चन्द्र बुध शुक्र	शनि	शुक्र

विभिन्न ग्रहो द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य : धन के अपव्यय से कष्ट, बुखार, मन मे अस्थिरता, चिंता से परेशानी, रक्त सम्बन्धी रोग और असफलता प्राप्त होती हैं ।

चन्द्र : चित्त में बेचैनी, शत्रु भय, व्याकुलता, मन उदास, रक्त विकार, चोट–चपेट और झगडे होते रहते हैं ।

मंगल : व्यापार में वृद्धि, भाईयों से वाद–विवाद, कुटुम्ब में कलह, शत्रु से भय या हानि के बावजूद धन प्राप्ति हाती है ।

बुध : अकस्मात धन लाभ, तीर्थ यात्रा, विवाद में विजय, शुभ कार्य में धन का खर्च और मांगलिक कार्य होते हैं ।

गुरु : वासना बढ़ना, शत्रु पर विजय, आमदनी में वृद्धि, विद्या प्राप्ति, जल से अरिष्ट और परीक्षा में सफलता हासिल होती हैं ।

शुक्र : वायु विकार आदि से रोग, मानहानी, नीच लोगों का संग, अपनों से विश्वासघात और धन हानि हाती हैं ।

शनि : असफलता, कठनाईयाँ, अनेक रोग एवं शरीर–पीडा, कीर्ति–क्षय, बुरे विचार और कष्ट प्राप्त होते हैं ।

राहु : अस्वस्थता, उदासी, दुःख एवं चिन्ता, उदर व्याधि, मलिन चित्त और अपयश हासिल होता हैं ।

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 1 में है।
व्यापारियों, कर्मचारियों के लिए पदोन्नति और प्रतिष्ठा वृद्धि के लिहाज से यह समय बहुत अच्छा है लेकिन आपको माहौल में तबदीली महसूस होगी। आमदनी में वृद्धि होगी और योग्यता भी निखरेंगी। परिवार में बढ़ोत्तरी की भी सम्भावना है। वैमनस्य खत्म होगा। आप बहुत स्फूर्तिवान् और चुस्त महसूस करेंगे।

31/12/2008–18/02/2009 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

इस अवधि में आपका अपने प्रति विश्वास आपको लगातार विजय दिलाएगा। आप महती सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। घर परिवार में शुभ कृत्य का आयोजन होगा। प्रणय व प्रेम सम्बन्धों के लिए भी यह अच्छा समय है। अपनी बुद्धिमत्ता के और पैनी अन्तरदृष्टि के कारण आप सही क्षण पर सही निर्णय लें। व्यापार / व्यवसाय में लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। धार्मिक क्रिया–कलापों से सम्बन्ध रहने की सम्भावना है। मित्र व हितैषी पूरा सहयोग देंगे।

18/02/2009–17/04/2009 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 12 में है।

इस अवधि में जीवन शक्ति में कमी होने के कारण आप बेहद अशक्त महसूस करेंगे। फालतु के कामों में आप अपनी ऊर्जा बर्बाद करेंगे। धन हानि होगी। परिवारजनों की बीमारी आपकी मानसिक शांति भंग कर देगी। व्यय करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। अवांछित स्थान पर आपको निवास करना पड़ सकता है लेकिन यह इन्द्रियातीत अनुभव प्राप्त करने के लिए बुरा समय नहीं है। धार्मिक क्रिया–कलापों में कुछ समय बिताने की सलाह दी जाती है। सांसारिक मामलों के लिहाज से यह श्रेष्ठ समय नहीं है लेकिन नयी चीजों में न उलझे।

17/04/2009–08/06/2009 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

इस अवधि में अपनी पैनी विवेक बुद्धि और सही अंदाज लगाने की क्षमता के कारण आप प्रचुर

सम्मान प्राप्त करेंगे। आपकी कल्पना अत्यधिक सक्रिय रहेगी। नए उद्यमों में निश्चित सफलता प्राप्त करेंगे। यह समय प्रणय और रोमांस के लिए भी अच्छा है। आपके सृजन बोध की सराहना की जाएगी। पारिवारिक सुख बढ़ा–चढ़ा रहेगा। मित्र और शुभ चिन्तक पूरा सहारा देंगे। इस अवधि के दौरान आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्पर्क में आएँगे। एक यादगार यात्रा होने की भी सम्भावना है।

08/06/2009–29/06/2009 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 11 में है।

अचानक परिस्थितियाँ आपके काफी अनुकूल होती जाएंगी। कुछ व्यापारिक सौदे आपको काफी लाभान्वित कर देंगे। मित्र और हितैषियों का पूरा सहयोग रहेगा। उच्च कोटि के शारीरिक या मांसल सुख आपको प्राप्त होंगे। अगर नौकरी–पेशा हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। इस अवधि में लंबी यात्रा की भी प्रबल सम्भावना है। पारिवारिक जीवन संतोष प्रदान करेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप प्रचुर प्रतिष्ठा और सम्मान के भागी होंगे।

29/06/2009–29/08/2009 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

इस अवधि में वासनापटक विचार सिर्फ आपको अवसादित ही नहीं करेंगे जलील भी करवा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के कारण आपकी नित्य–चर्चा में भी व्यवधान उपस्थित हो जाएगा। वैसे नौकरी के हालात अच्छे रहेंगे, यद्यपि काम का बोझ थकाने वाला होगा। स्त्री वर्ग से आपका व्यवहार मधुर नहीं रह पाएगा। विरोधी प्रबल होंगे। विपरीत परिस्थितियों में प्रतिरोधात्मक शक्ति का विकास प्राप्त करने का प्रयत्न करें। भारी व्यय होने की भी सम्भावना है।

29/08/2009–16/09/2009 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

इस अवधि में आपको मेहनत करनी पड़ेगी जो आप कर नहीं पाएंगे। लगातार किया गया कड़ा परिश्रम थका भी शीघ्र देगा और कार्य–क्षमता भी कम हो जाएगी। बुरे कार्यों में प्रवृत्त

रहने की आपकी चेष्टा रहेगी। उल्टी–सीधी हरकतों से भी आप सम्बन्ध रहेंगे। माँ बाप का बुरा स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा। कार या कोई वाहन बहुत तेजी से न चलाएं।

16/09/2009–17/10/2009 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

इस अवधि में किए उद्यमों में सफलता नहीं मिलेगी। शत्रु आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयत्न करेंगे। नौकरी के हालात भी बत्तर होते जाएंगे। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ भी मानसिक शांति भंग करेगी। जल्दबाजी या हड़भड़ी से काम करने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें। परिवार के किसी सदस्य की बीमारी के कारण चिन्तित रह सकते हैं।

17/10/2009–07/11/2009 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

इस अवधि में आप मानसिक तनावों और खिंचावों से ग्रसित रहेंगे। सुख अचल सम्पत्ति, वाहन सुख एवं स्त्रियों तथा मित्रों के साथ से वंचित रहेंगे। आर्थिक रूप से यह समय अच्छा नहीं है। इसलिए व्यय भी अधिक होगा। कुछ गुप्त गतिविधियों के लिए भी खर्च करना पड़ेगा। अचानक हानि होने की भी सम्भावना है।

07/11/2009–01/01/2010 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

सही निर्णय लेने की आपकी क्षमता और योग्यता पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आप अपने आस–पास भ्रम का विश्व बना लेना चाहेंगे झूठी आशाएं आपके लक्ष्य को भ्रमित कर देंगी। सट्टेबाजी की प्रवृत्ति पर पूरा अंकुश लगाएं। मित्रों से सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे। किसी मुकद्मेबाजी के चक्कर में अपने आपको न फंसाएं। किसी के जमानती बनने की चेष्टा न करें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें, फूड–पाइजिनिंग के कारण पेट के रोग उभर सकते हैं।